



सिलिंग्स
डे : अधिया ने भाई
अहान के साथ....
पेज 12 पर

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • वैशाख कृष्ण पक्ष 05 • विक्रम संवत् 2080 • मंगलवार, 11 अप्रैल 2023 • वर्ष-24 • अंक-69 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00



हूल क्रांति के महानायक अमर वीर शहीद
सिद्धो-कान्हो की जयंती के अवसर पर

SIDHKOFED

सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वन उत्पाद संघ

अंतर्गत विभिन्न पैक्स/लैम्प्स में

सदस्यों को जोड़ने हेतु

अभियान का शुभारंभ

योजनाओं का शिलान्यास एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह



मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष अतिथि

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण कार्य विभाग

श्री विजय हांसदा

माननीय सांसद, राजभाल

स्थान - भोगनाडीह (बरहेट)

दिनांक - 11.04.2023



सड़कों पर बह रहा है नालों का गंदा पानी, राहगीर हो रहे परेशान



नवान मेल सवाददाता । बड़ा
बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित देवी
मंडप के समीप रांची गुमला मुख्य
मार्ग सड़क पूरी तरह जर्जर होकर
कई जगह गड्ढे बने हुए हैं। वही
सड़क किनारे के घरों व दुकानों से
निकलने वाली नाली का गंदा पानी

सड़क पर हो जम जा रहा है। जिससे सड़क पर चलने वाले खासकर राहगीर व बाइक चालकों को काफी परेशानी हो रही है। सड़क में नाली का गंदा पानी के बहाने से आसपास के दुकानदार भी नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने और नालों के पानी से आ रहे बदबू से परेशान हैं। इसे लेकर आसपास के दुकानदारों इस लापरवाही का जिम्मेदार प्रखंड प्रशासन पर लगाया, दुकानदारों ने कहा कि अगर प्रखंड प्रशासन जिम्मेवार होती तो प्रखंड मुख्यालय का यह हाल

दि
रख
झल
ले
जि
ले
के
पूर्
ए
दा
पूर्व
मिन
पर
अ-
स
पा
कु
अ-
सं
सू
रा
उ

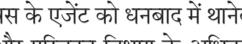
नहीं होता। प्रखण्ड के पदाधिकारी को प्रखण्ड में विकास की गंगा बहानी है, लेकिन बेड़ों में विकास की गंगा नहीं बल्कि सड़कों पर नाली का गंदा पानी का बहाव हो रहा। इधर पूर्व से ही बेड़ों की सड़कों पर नाली के गंदा पानी के लगातार बहने के बाद प्रखण्ड प्रशासन और जनप्रतिनिधि भी इन समस्याओं के निदान को लेकर ग्रामीणों को आश्वस्त किए थे कि महज कुछ ही दिनों में नाली के गंदा पानी सड़कों में हो रही बहाव का समाधान किया जाएगा। लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी लगातार सड़क पर नाली का गंदा पानी का बहाव रुक नहीं रहा। वही इन समस्याओं से त्रस्त ग्रामीणों ने कहा कि प्रखण्ड में केवल कमीशन खोरी चल रही है आमजनता के समस्याओं का निदान तो ग्रामीण भूल ही जाएं।

भाजपा प्रदेश कार्यालय
से प्रचार वाहन को
किया गया रवाना
रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भाजपा झांडे दिखाकर प्रचार वाहन के रवाना किया। हेमंत हटाओ झारखण्ड बचाओ आदोलन के लेकर प्रचार वाहन पूरे रांची जिला के कोने कोने में जाकर लोगों को मंगलवार के कार्यक्रम के लिए करेगा आर्मित्र। इससे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने नारियल फोड़ विधिवत पूजन किया एवं एक दूसरे के मिठाई खिलाया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदिव साहू, बालमुकुंद सहाय, प्रदीप वर्मा, शिवपूजन पाठक, प्रतुल शाहदेव, अमित कुमार, अशोक बड़ाईक अविनेश कुमार, केके गुप्ता संजय जयसवाल, शोभा यादव सूर्य प्रभात, सतीश सिन्हा राहुल शाहदेव सहित कुपरिथित थे।

भाजपा करेगी सचिवालय घेराव, प्रदेश अध्यक्ष बोले **सरकार डुरी, करा सकती हैं हिस**



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य की राजनीति की परिस्थिति अराजकता की है


बस के एजेंट को धनबाद में थानेदार और परिवहन विभाग के अधिकारी धमकी दे रहे हैं। अधिकारियों को चेताते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता का नौकर है प्रशासन, किसी मुख्यमंत्री या मंत्री के पैसे से प्रशासन नहीं चलता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य की राजनीति की परिस्थिति अराजकता की है। साढ़े तीन करोड़ जनता परेशान है, सरकार के नुमाइँदे, मंत्री मस्त हैं। जनता पस्त है। साढ़े तीन साल पहले हेमत सेरेन, राजद, कांग्रेस ने घोषणापत्र जारी किया था। उन्होंने पांच लाख नौकरी का उल्लेख किया था, नौकरी नहीं देने पर बेरोजगारी भाता देने की बात कही थी। ऐसा नहीं करने पर राजनीति से सन्यास लेने की बात हेमत सेरेन कहते थे। आज शिक्षित युवा बेरोजगार है। तीन साल में 337 नौकरी दिया गया। सरकार की नियत युवा विरोधी है। युवा जब सड़क पर न्याय मांगता है, तब सरकार के पदाधिकारी लाठियों से सरकार के इशारे पर प्रहार करते हैं। ये कैसी सरकार है। झारखंड में बेरोजगारी दर 14.3 फीसदी है। भारत के किसी राज्य के मापक से यह ढाई गुना है। झारखंड में 3.27 लाख पद रिक्त हैं। लेकिन सरकार अपने शागिर्दों को रोजगार दे रही, बिचौलिया सरकार चला रहे हैं।

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का आयोजन

दसवीं के बच्चों को मोमेंटो और उपहार भेंट कर किया सम्मानित



नवीन मेल संवाददाता। बेड़ा डी-एवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो में सोमवार को कक्षा दसवीं के छात्रों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर निदेशक

कलैश कुमार ने बच्चों को मर्मटो और उपहार मेंट कर सम्मानित किया। और उनके बेहतर रेजिल्ट और उज्ज्वल भविष्य की कामना किया और कहा कि ये स्कूल का दूसरा बैच है जो अस्सवों की परीक्षा दिया है इन बच्चों के साथ बहुत सी यादें जुड़ी हुई हैं। बच्चे अपने जीवन

कुमार हासिल करें और अपने स्कूल पार का नाम रोशन करें। बच्चों के मेशा रहेंगे और स्कूल का दरवाज़ा ला रहेगा। उन्होंने कहा की अब की मान्यता बारहवीं तक सीबीएससी है जो विद्यार्थी बारहवीं करना चाहते हैं। इसके उपरांत बच्चों ने दसवीं के विधार्थियों के समान एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम सभी बच्चे और शिक्षक भावुक होंगे, संदीप सिंह, कौशिक गोचारपाणी आरती कुमारी, सोमा सरकार, हेमा तेश कुमार, निमला लकड़ा, सोमी सीमा, संदीपा, पृष्ठा, सविता रा, अनिता, हंसिका, अनु, विजय जन, समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाओं और 8वीं एवं 9वीं के बच्चों का अहम गति।

गोपाल सिंह मुंडा क
शहादत दिवस मना
विर्या विर्या देखो

हनुमान मंदिर का वार्षिक स्थापना दिवस मनाया गया



नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव स्थित बजरंग बली हनुमान मंदिर का सोमवार को 33 वां वार्षिक स्थापना दिवस हर्सेल्लास के साथ मनाया गया जिहां मंदिर के पुजारी लाल बाबा ने गणेश पूजा, नवग्रह पूजा, पंचदेव पूजा, षोडशो मातृका पूजा व बजरंगबली की पूजा की गई इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर 12 घंटे का अखंड हरिकीर्तन व शाम में भंडारे का वितरण किया गया। वहीं मंगलवार को पूजा-अर्चना के बाद पूणाहृति के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकेश कुमार राय, राज राय, प्रेम राय, सौमित्र शर्मा, साधन राय, सोनू कुमार, सुजीत राय, वाणी कुमार राय, धनंजय कुमार राय, दीपक सेन, रमेश प्रसाद गुप्ता, अनुज कुमार गुप्ता, प्रकाश टाना भगत, महेश टाना भगत, विनोद उरांव, ईश्वर गोप, तुरूक गोप, उमेश सिंह, शिवनाथ साहू सुरेश उरांव, जिगवा टाना भगत, बासु उरांव, गोविंदा उरांव सहित कई लोगों ने सराहनीय योगदान दिया।

तीन दिवसीय मजलिस गम का आयोजन



A portrait of a man with a beard and a blue turban, wearing an orange shawl, standing in front of a blue patterned wall.

एसीबी में कैडर नहीं
होने से आ रही परेशानी

रांची। जार

सरहल मिलन कार्यक्रम आयोजित



नाम परिवर्तन

मैं, छड़डो तिग्गा पिता-स्व. डिबना उरांव ग्राम-मुण्डा, टोला-महुवाजाड़ी, पो.-महुवाजाड़ी, थाना- माण्डर, जिला-रांची-835214, राज्य-झारखण्ड का निवासी हूं। शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि मेरा आधार कार्ड संख्या-623145295029 में मेरा नाम छड़डो तिग्गा पिता- स्व. डिबना उरांव दर्ज है, जो सही एवं सत्य है। मैं पूर्व में अभिनय तिग्गा पिता- स्व. डिबना तिग्गा के नाम से जाना एवं पहचाना जाता था। लेकिन आज से मैं छड़डो तिग्गा नाम से जाना एवं पहचाना जाऊंगा।

भाजपा के सचिवालय घेराव को प्रभावित करने की कोशिश कार्यकर्ताओं को धमका रही पुलिस



नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि 11 अप्रैल को सचिवालय को घेराव कर पार्टी हेमंत की चेहरे की नकाब में उत्खांड़ फैंकिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं में घेराव कागजक्रम को लेकर जबरदस्त उत्पाद है। लेकिन सरकार के इशारे पर पुलिस-प्रशासन कार्यकर्ताओं को घेराव में पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि खुंटी और धनवाद में पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं को धमका रही है। वहस एंटेंटों को भी थाने में बुलाकर धमकी दिया

ज्ञारखंड ऐसा पहला राज्य है, जहां छापे अफसरों के घर में पड़ते हैं और सांप झामुनो, कांग्रेस और राजद के नेताओं के कलेज पर लोटता है।

ज्ञारखंड में शब्द का कारोबार और घोटाला कर रहा है। राज्य में बाल घोटाला, पेट्रोल डीजल सब्जियाँ घोटाला, धोती-साड़ी घोटाला जैसे दर्जनों घोटाले हुए हैं। सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति की पराक्रान्ति कर दी है। अपराधियों और उपद्रवियों को सरकार से संबंधित घेराव में ही दीपक प्रकाश प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कार्पोरेशन को संबंधित कर रहे थे। दीपक प्रकाश ने कहा कि हेमंत सरकार हर क्षेत्र में विफल है। ज्ञारखंड ऐसा पहला राज्य है, जहां छापे अफसरों के घर में पड़ते हैं और सांप झामुनो, कांग्रेस और राजद के नेताओं के कलेज पर लोटता है। ज्ञारखंड और छत्तीसगढ़ की सरकार में विवादों का विवाद राज्य की भावना का प्रतीक है। हम लगातार राज्य की जनता की मांग को लेकर संबंधित कर रहे हैं। अब उलगुलान की बारी है। रांची में सचिवालय के घेराव के साथ उलगुलान का डंका पीटा जाएगा। ज्ञारखंड के नौजवान, मजरूर, किसान, पिछड़ों के अधिकारों की मांग को लेकर हम इस सरकार को घेरेंगे।

मिनी बॉम्बे में हिसा

मिनी बॉब्स कहे जाने वाले जमशेदपुर के कदमा इलाके में जो कुछ भी हुआ, वह आम शहरी का सिर शर्म से झुका देने के लिए पर्याप्त है। जिस शहर का नाम महान जमशेद जी के नाम पर रखा गया हो, उस शहर में सांप्रदायिक तनाव का होना इसी बात को इंगित करता है कि लोग अब भावनाओं में बहने लगे हैं, तुनकमिजाज हो गए हैं, छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं, क्रोध करते हैं और यह कि लीजेंड्स का नाम मिट्टी में मिलाने में इन्हें रत्ती भर भी शर्म नहीं आती। उसी प्रकार, जमशेदपुर के पुलिस-प्रशासन पर भी बड़ा सवालिया निशान है। जब यह हर किसी को पता था कि कदमा में दिक्कत है, मामला बिगड़ सकता है तो पुलिस-प्रशासन ने इसे पहले से ही टेकल क्यों नहीं किया? आज नहीं तो कल पुलिस-प्रशासन की भूमिका की जांच होगी ही और उम्मीद की जाती है कि दोषियों को दंड जरूर मिलेगा। दरअसल, शास्त्रीनगर में एक झाड़े में जिस प्रकार से गोश्ट लपेटा गया, वही अपने आप में बेहद भड़काऊ कार्रवाई थी। पुलिस ने मामले को उसी वक्त गंभीरता से लिया होता, शांति कमेटी की बैठक की होती तो रववार की रात जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होता। चूंकि प्रीकॉन्स्न नहीं लिए गए, इसीलए उपद्रवियों को आगजनी, पथरबाजी और फायरिंग करने का मौका मिल गया। यह ठीक है कि अभी हालात नियंत्रण में हैं पर तनाव तो बरकरार है। अब तक 60 लोगों को हिरासत में लिया गया है और इंटरनेट की सेवा बंद कर दी गई है। हाल के दिनों में यह देखा गया है कि दोनों समुदायों के लोग छोटी-छोटी बात पर भी भिड़ने में बहुत वक्त नहीं लगाते। कुछ दिनों पहले पांकी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। वहां भी बम फटे थे, जम कर पथरबाजी हुई थी। पांकी के थोड़ा पहले चलें तो बीते साल रांची के मेन रोड पर इन दोनों समुदायों के लोगों का खुन सड़क पर बहा था। यह तो भला हो पुलिस प्रशासन का, जो वक्त रहते कड़े कदम उठाए गए अन्यथा रांची की आग आस-पड़ोस के जिलों में भी फैल सकती थी। बीते एक साल में सांप्रदायिक तनाव के दर्जन भर से ज्यादा मामले हो चुके हैं। जाहिर है, हर पक्ष खुद को बेकसूर बताता है लेकिन ऐसी घटनाएं राज्य में तो लोगों को परशान करती ही हैं, दूसरे प्रदेशों में भी ज्ञारखंड का नाम खराब करती है। इनसे बचने के लिए जो एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए, वो कभी उठाए जाते हैं तो कभी नहीं। एक समुदाय के लोगों को दूसरे समुदाय के लोगों से लड़ाने-भिड़ने में किसकी भूमिका होती है, यह जगजाहिर है। अहम बात यह है कि दोनों संप्रदाय के लोग रोजमरा की जिंदगी में कॉमॉन चीजों से ही परेशान हैं लेकिन धर्म के नाम पर जिस तरीके से ये एक-दूसरे को मारने-मारने पर उतारू हो जाते हैं, उनके पीछे के कारण को भी समझना होगा। आपने गैर किया होगा कि जो भी ऐसी हिंसाओं में शामिल रहते हैं, अमूमन कम पढ़े-लिखे होते हैं। पढ़ा-लिखा आदमी अमूमन हिंसा की बात करता ही नहीं। वह तो दो जून की रोटी के लिए ही दिन-रात मेहनत करता है ताकि अपना और परिवार के अन्य लोगों का पेट भर सके। इस तरह के सांप्रदायिक तनाव राज्य के लिए अच्छे नहीं। इनसे बदनामी तो होती ही है, राज्य के विकास पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। यह बेहद जरूरी है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद सुढ़द हो अन्यथा जैसे अनेक भारी-भरकम प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से गुजरात शिफ्ट हो गए, वैसे ही यहां चल रहे प्रोजेक्ट कहीं और चले जाएं। निरंतर विकास पथ पर चलने के लिए जरूरी है कि राज्य की कानून-व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। इसके लिए पुलिस-प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ेगी।

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक, शिक्षाप्रद एवं कलासंस्कृतिमूलक कार्यक्रम है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड़े गुड़ियों, जोकर आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है और अनेक प्राचीन कथाओं को इसमें मंचित किया जाता है। लकड़ी अर्थात् काष्ठ से इन पात्रों को निर्मित किये जाने के कारण अर्थात् काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा। प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस भी मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य इस प्राचीन लोक कला को जन-जन तक पहुंचना तथा आने वाली पीढ़ी को इससे अवगत कराना है। पुतली कला कई कलाओं का मिश्रण है, जिसमें लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि। भारत में यह कला प्राचीन समय से प्रचलित है, जिसमें पहले अमर सिंह राठोड़, पृथ्वीराज, हीर-राङ्गा, लैला-मजनू, शीरी-फरहाद की कथाएँ ही कठपुतली खेल में दिखाई जाती थीं, लेकिन अब सामाजिक विषयों के साथ-साथ हास्य-व्यंग्य तथा ज्ञान संबंधी अन्य मनोरंजक कार्यक्रम भी दिखाये जाने लगे हैं। पुतलियों के निर्माण तथा उनके माध्यम से विचारों के स्प्रेषण में जो आनंद मिलता है, वह बच्चों के व्यक्तित्व के चहंसुखी विकास में सहायता होता ही है, लेकिन यह अनेक सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक विषयों के सम्प्रेषण का भी प्रभावी माध्यम है। भारत में सभी प्रकार की पुतलियाँ पाई जाती हैं, यथा-धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि इसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाव्यादी ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार भी मिलते हैं कि भगवान् शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर माता पार्वती का मन बहला कर इस कला को प्रारंभ किया, इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख सिंहासन बत्तीसी नामक कथा में भी मिलता है। कठपुतली दिवस पर दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ताकि इस कला को लुप्त

तिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने ब्रेले गए 29 टेस्ट में 25.04 की पैसत से बल्लेबाजी करते हुए 202 रन बनाये, जिसमें उनके अल्लों से एक शतक और साथ मध्यशतक थे। वह एक ऐसे बल्लेबाज थे जो फैंस की मांग पूरका लगाया करते थे। इसके अलावा सलीम दुरार्नी ने गेंदबाजी में भी अपना खुब नाम किया है। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में 73 लेफ्ट-अर्म्स्ट्रिंग्स पर बैकेट भी झटके हैं। वह एक लेफ्ट-अर्म्स्ट्रिंग्स का सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में है। भारत का सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में है। तिनिधित्व किया है। सलीम दुरार्नी भारत को साल 1971 में इंडियनीज की सरजर्मी पर पहले टेस्ट जिताने में अहम रोल निभाया था। पोटेर ऑफ स्पेन में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच में कुछ गेंदों के अंदर हूँ लालाइव लॉयड और कपान मैन गेंदोंवार्स को सस्ते में आउट कर दिया था। उस मैच की दूसरी पारी में उन्होंने 7 ओवर में सिर्फ 21 रन दिये थे। सलीम दुरार्नी 1961-62 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज जीत दी थी। उन्होंने कोलकाता 5 हीरो रहे थे। उन्होंने कोलकाता 7 ओवर में खेले गये टेस्ट मैच में आउट और चेनई में खेले गये टेस्ट मैच में रहने का नाम पर एक क्रिकेटर का नाम दिया था। वे संत कुंज के एक फैलैट देशी घर में रहते थे। दरअसल यहां पांच रुपये वर्षानिशिप आयोजित हुई थी। तब उन्होंने आयोजकों ने दिल्ली बुलाकर उनके नाम पर एक क्रिकेटर का नाम दिया था। अमूमन उनकी सार्वे प्रेस के लिए लिख में ही गुजरती थी। वहां पर उन्होंने असंत कुंज में रहने को फैलैट देशी घर में रहते थे। उनके नाम पर एक क्रिकेटर की दुनिया से जुड़े तमाम क्रिकेटर्स थे। पर वे राजधानी में क्रिकेटर थे।



लाला अमरनाथ
करनैल सिंह स्टेडियम
के पीछे पचकुड़ियां रोड
में रेलवे के बगले में रहा
करते थे। उन्हें घर से
वसंत लेन होते हुए
स्टेडियम पहुंचने में पांच
मिनट से अधिक नहीं
लगते थे।

स्मृति

चिंग के किसी भी प्रस्ताव को
नने के लिए तैयार नहीं होते थे।
इ बात समझ नहीं आई कि सलीम
ई ने कभी कोचिंग व्यांग नहीं की
लीम दुरानी फक्कड़ किसम के
युथ थे। उनके पुणे दोस्तों को यादगार
ग रहे हैं उनके साथ गुजरे यात्राएँ
की जिद करते थे। फिर खुद ही
पने हाथ खींच लेते थे। बाद में
ड़ी ही मासूमियत से कहते थे—
च्चा हुआ बिल आपने दे दिया।
पास तो पैसे हैं नहीं। सलीम
रांगी का जन्म 11 दिसंबर 1934
हुआ था।

सशक्त प्राचीन लोककला है कठपुतलियों का संसार



लालत ग

प्रकृति से जुड़ गयी और धार्मिक व पारम्परिक प्रसंगों को पुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। पुतली नाट्य लौक शैली का ही एक नाटक था जो लोक नाट्यों के रूप से विकसित हुआ। पुरातन शैली में प्रस्तुत करने वाले अधिसंख्य पात्र आज भी मुख्योटा लगाते हैं। अफ्रीका, जावा, बाली, श्रीलंका, बर्मा में ऐसे नाट्य आज भी बहुत प्रचलित हैं। भारत में भी यही स्थिति है। मेवाड़ का गवरी, दक्षिण का यक्ष नाट्य आदि में मुख्योटों का बड़ा महत्व है। दक्षिण भारत के प्रायः सभी लौक नाट्यों की अंग भीगमाएँ, वेशभूषा आदि पुतलियों की तरह ही हैं। यूरोपीय देशों में पुतली परम्परा 300 वर्ष की मानी गयी है। भारत में यह आदि मानव से जुड़ी है। सांस्कृतिक कार्यों में पुतली का प्रयोग और प्रतीकों का महत्व सर्वविदित है। यूनान, मिस्र आदि देशों में पुरातन समाधियों की खुदाई में अनेक ऐसे पुतले मिलें हैं जो मृतामाओं की शांति के लिए गाड़े जाते हैं। भारत में भी इसके प्रमाण उपलब्ध हैं कि पुतलियों से ही नाटकों की उत्पत्ति हुई है। पुराणों में कहीं कहीं पुतलियों का उल्लेख मिलता है। रामायण, महाभारत, पंच तंत्र आदि में भी इनका उल्लेख है। इन ग्रन्थों में पुतलियों से सन्देशवाहक का काम लिया जाता है। महाभारत में वृहन्नला द्वारा पुतलियां सिखलाने का उल्लेख है। इसी प्रकार चमड़े, कागज और कपड़े की पुतलियों का भी वर्णन है। सातवीं शताब्दी में नीलकंठ के भाष्य में छाया पुतलियों का वर्णन है। कथासरित सागर में एक दस्तकार का उल्लेख है जो बच्चों के मनोरंजन के लिए पुतलियां बनाता है। आज भी राजस्थान के पुतली कलाकार नट भाट, राव और भांडों की तरह भांझी, बलाई एवं रेबारी जाति में पाये जाते हैं। जयपुर, उदयपुर व पश्चिमी राजस्थान में ये जातियां पाई जाती हैं।

जी हाँ! आप बहुत याद आयेंगे सलीम दुर्जनी



 Satyapal Malik
@Satyapalmalik_

ना किसी पाटी में जाऊगा, और चुनाव तो बिल्कुल नहीं लड़ूंगा- लेकिन #कांग्रेस #सपा #RLD के पक्ष में 2024 में कैपेनिंग जरूर करूंगा।

फेसबुक वॉल से

अंग्रेजों से यारी, मुग़लों
से खारी
कहो कुरेंदर क्यों की थी
गद्दारी
भगत सिंह तो फाँसी
पर गया झूल
माफीवीर देश को कैसे
गया भूल
(स्वामी यूसुफानंद
— अंग्रे — दें)

एनसीईआरटी का विरोध करना कितना उचित है?



डा. रवांद्र प्रताप सह

एनसीईआरटी ने
इतिहास से आतंकवादी
शब्द को हटाने का
निर्णय लिया था। इसके
साथ ही बहुत से भ्रामक
तथ्य जानबूझकर गलत
तरीके से इतिहास विषय
के रूप में बच्चों को

5

इतिहास कबीलों से शुरू होता है। ये रूपरूपी देश खासकर युनानी आज भी मैग्नास्पार्टों को अपने इतिहास को राष्ट्रीय धरोहर मानते हैं, लेकिन भारत का प्राचीन इतिहास सिन्धु नदी घाटी की विश्वप्रसिद्ध नगरीय सभ्यता से आरंभ होकर आर्यों के कबीलाई इतिहास की ओर बढ़ता है। क्या यह किसी भी मानव सभ्यता के इतिहास का शुरूआती चरण हो सकता है जो गांव और कबीलों के बसने से पहले नगरीय सभ्यता बन गई हो ? बिलकुल भी नहीं और न ही दुनिया के किसी भी इतिहास में कोई एक भी उदाहरण उपलब्ध है।

सीतापुर में बेकाबू बस फुटपाथ दुकानदारों पर चढ़ी, 3 की मौत

मुख्यमंत्री योगी ने हास्से पर दुख जताया

एजेंसी। सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर किले में सोमवार को बेकाबू रोडवेज बस पटरी दुकानदारों पर चढ़ गई। हास्से में तीन लोगों के मरने की खबर है। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, कमलापुर थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर चालक का निवारण खाने पर बेकाबू बस दुकानदारों को गैंडे हुए निकला गया। हास्से में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा लोगों में से दो की पहचान सुन्नत नियमित की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा थाने की पुलिस ने लिया है। तीनों पीड़ित दिनहाटा कस्बे से नियमित की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे राठबाड़ी चौराहे पर मोड़ पर पहुंचे, उनका वाहन विपरीत दिशा से आ रही कार से टक्कर गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उस चौराहे पर खतरनाक मोड़ के चलते कहर हादरपे होने रहते हैं। उन्होंने कि तीसरे पीड़ित की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जो उसी वाहन पर आरोप लगाया कि बार-बार अपील करने के बावजूद स्थानीय प्रशासन से आता कर रहा था। उक्त चार

कूचबिहार में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में एक चार परवाया वाहन की टक्कर करने की अपने-समाने की टक्कर करने में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा लोगों में से दो की पहचान सुन्नत नियमित की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे राठबाड़ी चौराहे पर मोड़ पर पहुंचे, उनका वाहन विपरीत दिशा से आ रही कार से टक्कर गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उस चौराहे पर खतरनाक मोड़ के चलते कहर हादरपे होने रहते हैं। उन्होंने कि तीसरे पीड़ित की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जो उसी वाहन पर आरोप लगाया कि बार-बार अपील करने के बावजूद स्थानीय प्रशासन से आता कर रहा था। उक्त चार

प्रयास शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद सीतापुर में हुए सड़क हास्से में हुई सीतापुर के बेकाबू दुकानदारों को गैंडे हुए निकला गया। हास्से में तीन लोगों की मौत हो गई। राहगीरों की सुचना पर पहुंची पुलिस ने शबों की शिनाख का

बिहार में दावत-ए-इफ्तार, बदलेगी सियासी तस्वीर!

एजेंसी। पटना

बिहार में दो दिनों के अंदर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आवास और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी आवास पर पवित्र रमजान के महीने में दावत ए इफ्तार का आयोजन किया गया। जदयू और राजद के नेताओं द्वारा दिनहाटा कस्बे से पार्टी में महागठबंधन के तो नियमित करवाई गई है। जैसे ही वे राठबाड़ी चौराहे पर मोड़ पर पहुंचे, उनका वाहन विपरीत दिशा से आ रही कार से टक्कर गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उस चौराहे पर खतरनाक मोड़ के चलते कहर हादरपे होने रहते हैं। उन्होंने कि तीसरे पीड़ित की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जो उसी वाहन पर आरोपित इफ्तार पार्टी में चिराग प्रशासन ने कोई पहल नहीं की है।

किया है। उन्होंने दिवंगत आमा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।



बृकर आशीर्वाद लिया, लेकिन कुछ ही समय के बाद उन्होंने यह भी कह दिया कि मुख्यमंत्री से अब बिहार में कुछ नहीं हो सकता। वैसे, चिराग और तेजस्वी काफी राठबाड़ी लोक के जनता दल के प्रमुख उपेक्षक करते रहते हैं। इस बीच, बद्री के विरुद्ध नेता के क्रमांक से आगे बढ़ते रहते हैं। उन्होंने नेता के विरुद्ध रुक्मिणी के नेतृत्व में चल रहे महागठबंधन में चिराग प्रशासन को नकारा भी नहीं जा सकता। वैसे, कहा यह भी जा रहा है कि चिराग प्रशासन ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार, लालू यादव, रामविलास पासवान, शरद यादव, हम सब लोग एक ही परिवार के सदस्य हो रहे हैं। मुझे बहुत प्रसन्नता होती यदि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रहे महागठबंधन में चिराग प्रशासन होते हैं। वैसे, जदयू के प्रवक्ता और दूर्घात्मक नीतीश कुमार इस बयान से इतेकापक नहीं रखते हैं।

संभावना बनती है तो चिराग प्रशासन का महागठबंधन में स्वागत है। तायी ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार, लालू यादव, रामविलास पासवान, शरद यादव, हम सब लोग एक ही परिवार के सदस्य हो रहे हैं। मुझे बहुत प्रसन्नता होती यदि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रहे महागठबंधन में चिराग प्रशासन होते हैं। वैसे, जदयू के प्रवक्ता और दूर्घात्मक नीतीश कुमार इस बयान से इतेकापक नहीं रखते हैं।

NEWS इन ब्रीफ

यूपी के शख्स ने पली की हत्या कर शरीर के किए टुकड़े-टुकड़े

गोड़। उत्तर प्रदेश के गोड़ में पुलिस ने एक प्रतीक को अपनी पली की हत्या करने और उसके शव के टुकड़े-टुकड़े करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। 40 वर्षीय आरोपी ने रविवार को अवैध संबंध होने के शक में पली के साथ झगड़ा किया और उसका शव टुकड़े-टुकड़े कर दिया। जब वह भासने को कोशिश कर रहा था, तो स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सीधे दिया। गला घोंसे के लिए उसने शव के टुकड़े-टुकड़े के बाद दिया। जब वह भासने को कोशिश कर रहा था, तो स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सीधे दिया। घटना काशीपुर गांव क्षेत्र की है और पीड़ितों के पिता ने मायला दर्ज करवाया है।

15 दिनों की पैरोल पर जेल से बाहर आए

आनंद मोहन

सहस्रा। गोपालगंज के डीएम जी कृष्णा हायाकांड मामले में उपक्रेद की सजा काट रहे थे अनंद मोहन सिंह एक बार पिन पैरोल पर जेल से बाहर आ रहे हैं। सोमवार को पूर्व संसार अनंद मोहन 15 दिनों के लिए मंडल कारा सहस्रा से बाहर आये। शिवहर के पूर्व सासाद आदाद मोहन से लालू समय से सलाहकों के पैछें हैं। इस साल लालू दूसरी बार आनंद मोहन को 15 दिनों की पैरोल मिली है। इससे पहले फरवरी में अनंद मोहन की बेटी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के लिए उन्हें 15 दिनों के लिए पैरोल पर बाहर आने की अनुमति मिली थी। किशनगंज के डीडीसी स्पर्श गुप्ता नेत्रहीन होने के बावजूद बने आईएएस का उद्घाटन करने के बाद बोले में समय से सलाहकों के पैछें हैं। इस साल लालू दूसरी बार आनंद मोहन को 15 दिनों की पैरोल मिली है। इससे पहले किशनगंज के डीडीसी स्पर्श गुप्ता नेत्रहीन होने के बावजूद बने आईएएस का उद्घाटन करने के बाद बोले में समय से सलाहकों के पैछें हैं।

किशनगंज के डीडीसी स्पर्श गुप्ता नेत्रहीन होने के बावजूद बने आईएएस का उद्घाटन करने के बाद बोले में समय उन्होंने किशनगंज के डीडीसी स्पर्श गुप्ता नेत्रहीन होने के बावजूद बने आईएएस का उद्घाटन करने के बाद बोले में समय से सलाहकों के पैछें हैं।

किशनगंज। जिला विकास आयुक्त डीडीसी के बाद पर कार्यवात आयोग एसएस स्पर्श गुप्ता अंत्यों से नहीं 'स्पर्श' के सहारे यादवी को देखते हैं। स्पर्श गुप्ता की आखिये में रोगीनी नहीं थी, लेकिन उन्होंने अदय साहस का सहारा लेकर अपनी तलाश पूरी की। स्पर्श ने डीडीसी में स्पैशन के लिए उपर्युक्त व्यक्तियों को देखा है। यथा रूप आज की आवास की अवधि प्रत्येक व्यक्ति दो लालू यादव के लिए उपर्युक्त व्यक्तियों को देखा है। उन्होंने किशनगंज के डीडीसी के बाद बोले में समय से सलाहकों के पैछें हैं।

किशनगंज। जिला विकास आयुक्त

ये धरती हमारी मां है, इसके प्रति हमें अपने दायित्वों का करना होगा सही प्रकार से नियन्त्रण : मुख्यमंत्री योगी



प्रकृति के अतिक्रम से सामने आ रहे दुष्परिणाम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव में देशपर से आए प्रतिनिधियों को स्वागत एवं अधिनंदन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे प्राचीन धूमंथंग में वेदों में अथवावेद के प्रति सुकृत हमें धर्म के प्रति निष्ठा देता है। इसके अनुसार धरती हमारी माता है और हम सब इसके प्रति दर्शन होता है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट चेंज आज एक बड़ी चुनौती है। विवाद साल होने असमय अतिक्रिया को देखा है। वीरे 25 साल के सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी नहीं देखा है कि बार-बार आ रहा है। विवाद साल होने असमय अतिक्रिया को देखा है। वीरे 25 साल के सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी नहीं देखा है कि बार-बार आ रहा है। विवाद साल होने असमय अतिक्रिया को देखा है। वीरे 25 साल के सार्वजनिक जीवन में मैंने कभी नहीं देखा है कि बार-बार आ रहा है।

यूपी में शुरू हुआ है विषमुक्त खेती का बड़ा अभियान

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में डीजल और पेट्रोल इंजीन के अधिकारियों को साथ सबसे ज्यादा दिया जाएगा। योगी ने अपने स्वाधीन की प्रतीक विवरण में बोला है कि आज यह एक बड़ी धूमंथंग है। योगी ने अपने स्वाधीन की प्रतीक विवरण में बोला है कि आज यह एक बड़ी धूमंथंग है। योगी ने अपने स्वाधीन की प्रतीक विवरण में बोला है कि आज यह एक बड़ी धूमंथंग है। योगी ने अपने स्वाधीन की प्रतीक विवरण में बोला है कि आज यह एक बड़ी धूमंथंग है। य

93 साल की सुरजीत कौर ने 6 महीने में जीते 10 गोल्ड

सुरजीत कौर प्रतिदिन सुबह 5 बजे उठना, द्रेनिंग



बेटी को देखकर शुरू किया खेलना

उम्र महज एक नम्बर ही और कई लोग समय-समय पर इस बात को साबित करते रहते हैं। अब 93 साल की सुरजीत कौर, जिन्होंने कुछ समय पहले ही एथ्लेटिस्म शुरू की और अपने 6 महीने से करियर में ही 10 गोल्ड मेडल (गज 6 गोल्ड व नेशनल 4) जीत चुकी हैं। नाती पेटे संभालने की उम्र में एथ्लेटिस्म से जुड़ने और 10 गोल्ड जीतकर सुरजीत कौर ने साबित कर दिया है कि उम्र महज एक नम्बर ही है।

एजेंसी। नई दिल्ली

उम्र महज एक नम्बर ही और कई लोग समय-

समय पर इस बात को साबित करते रहते हैं।

अब 93 साल की सुरजीत कौर, जिन्होंने कुछ समय पहले ही एथ्लेटिस्म शुरू की और अपने 6 महीने से करियर में ही 10 गोल्ड मेडल (गज 6 गोल्ड व नेशनल 4) जीत चुकी हैं। नाती पेटे संभालने की उम्र में एथ्लेटिस्म से जुड़ने और 10 गोल्ड जीतकर सुरजीत कौर ने साबित कर दिया है कि उम्र महज एक नम्बर ही है।

अंतर्राष्ट्रीय चैपियनशिप की तैयारी

उन्होंने कहा कि पहले मन में हमेशा अशांति रहती थी लेकिन जब से खेलना शुरू तब से मन खुश रहने के साथ-साथ सेहत भी

ठीक रहने लगी है। वह प्रतिदिन सुबह 5 बजे उठ जाती है और एक घंटे तक प्रैक्टिस करती है। वहीं

शुरू से खेलों में रुचि थी

1930 में जन्मी सुरजीत कौर ने एक समाचार पत्र से बातचीत में कहा कि खेलों में सचि शुरू से थीं परन्तु कभी हाँसला नहीं हो पाया। परियालामें शादी के बाद रोजाना के कामकाज में व्यस्त होने से खुद के लिए समय ही नहीं रहा। उन्होंने बताया कि 27 मार्च से लेकर 30 मार्च तक बैगल्सूर में नेशनल गेम्स हुई हुए ग्राउंड पर 200 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद उन्होंने जैती में गज 6 स्टेप्पर गेम्स में भी 100 मीटर पर 4 नेशनल स्टर पर 4 गोल्ड मेडल हासिल कर चुकी है।

भारत ने ग्रीको रोमन प्रतियोगिता में एक रजत सहित 3 पदक जीते

एजेंसी। अस्ताना

भारत ने एशियाई सीनियर कुर्सी चैपियनशिप (ग्रीको-रोमन प्रतियोगिता) के पहले दिन रविवार को एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। रूपिन ने 55 किग्रा वर्ग में रजत जीवक नैरज (63 किग्रा, कांस्य) और सुनील कुमार (87 किग्रा, कांस्य) ने कांस्य पदक हासिल किए। रूपिन का सामना 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले में झंगानी पहलवान डेंड मर्ज. से था। जगरेब औपन चैपियन मर्ज. ने वह मुकाबला 3-1 से जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए।

'पठान' के एडिटेड पोस्टर के बाद रिकू सिंह ने शाहरुख को कहा 'लव यू'



मुंबई। अहमदाबाद के नेंद्रें मोदी स्ट्रिडम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम कोलकाता नाइट राइटर्स की जीत के बाद बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने 'पठान' के पोस्टर पर क्रिकेटर रिकू सिंह का बेहारा लगाया।

इरफान ने कहा, निश्चित रूप से तिलक वर्मा ने बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने पिछो से साल अच्छी बल्लेबाजी की और इस साल भी अच्छा प्रदर्शन किया। यहां तक कि उनका टेपरामेंट भी बहुत अच्छा है। लगातार ही कि वह भविष्य में एक अतिरिक्त मैच और दो अतिरिक्त पारियां मिलेंगी, इसलिए आपनिंग बल्लेबाज इस रिकू को तोड़ सकता है। शास्त्री ने कहा, युवा तिलक वर्मा और साई सुरेशन आईपीएल 2023 में अब तक के बाद से शानदार खिलाड़ी रहे हैं। अगर हम देखें कि अब तक क्या हुआ है, तो उसके पास पहले से ही 300-400 रन होंगे।

उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से

कोहली के रिकू को तोड़ा बहुत मुश्किल है, क्योंकि 900 से अधिक

रन बहुत ज्यादा होता है, लेकिन एक

बात वह है कि ओपनिंग करने वाले

इसलिए भी खेल में है और

वहीं नहीं खेल पाएंगे।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी की जीत है, मैं देखता हूं कि उनका टेपरामेंट भी बहुत अच्छा है। लगातार ही कि वह भविष्य में एक अच्छी खिलाड़ी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो जाएगा।

उन्होंने कहा, यहां तक कि वह अच्छी बल्लेबाजी के रूप में उपर्युक्त रूप से हो ज

KASHYAP'S DENTAL CLINIC



Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए

50% की छूट



- ❖ आसानी
- ❖ पायरिया का इलाज
- ❖ टेहे-मेहे दाँतों का इलाज
- ❖ स्मार्टल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल विलाप

Facilities

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा इलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 919533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

राज्यपाल ने तीन लंबित विधेयकों को दी मंजूरी हैदराबाद। राज्यपाल तमिलनाडु सुंदराजन के पास लंबित विधेयकों के मामले में तेलंगाना सरकार के उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खतखटाने के बाद राज्यपाल ने अन्य विधेयकों को मंजूरी दे दी है जबकि दो अन्य विधेयकों को राज्य सरकार को लौटा दिया है। राज्यपाल ने दो अन्य विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रीयत भवन भेजा है जबकि तीन अन्य को अपने पास लंबित रखा है। अपनी यह स्पष्ट नई है कि राज्यपाल ने किन तीन विधेयकों को मंजूरी दी है, किन दो को राज्य सरकार को वापस लौटाया है और किन दो को राष्ट्रीयत भवन भेजा है।

एयर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट में

यात्री ने की बदसलूकी नई दिल्ली। दिल्ली से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में सोमवार को एक यात्री के गंभीर दुर्बल्यवाह के कारण पायलट विमान को बीच राते से वापस ले आया। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एयर 111 ने दिल्ली से लंदन के हिंदी हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस आ गई। अरोपी के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कर दी गई है। अरोपी के लिए एयर इंडिया की उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही वापस आ गई। अरोपी के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कर दी गई है। अरोपी है कि उसने दुर्बल्यवाह किया और दो बीचिन क्रू को घोट पहांचा। अधिकारियों ने बीच राते का शामिल किया रखा जानकारी की बात चैटावनी के बाद भी आरोपी ने तमाशा जारी रखा। इस कारण पायलट के विमान को दिल्ली वापस लाना पड़ा। बाद में अरोपी को सुखा अधिकारियों के हवाले कर समृद्धित कार्रवाई शुरू कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा : डिव्टर भारी दुख का स्रोत

नई दिल्ली। फिल्म निमाता विक्री अग्रिहोत्री ने उड़ीसा हाई कोर्ट के चीयर निस्टिस एस्स. मुरालीधर के खिलाफ अपने ट्रॉटेर के लिए सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समझ व्यक्तिगत रूप से माफी मांगी। कोर्ट ने कहा: वह कहते हैं कि न्यायालयकी की संस्था के लिए उसके मन में अव्यक्त सम्मान है और वह जनवृक्षकर अदालत की महिमा को ठेस पहुंचने का इशाद नहीं रखते थे। उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस वापस लिया जाता है। उन्हें कथित अवमानकर्ता के रूप में छुट्टी दे दी गई है। इसमें कहा गया है कि डिव्टर भारी दुख का स्रोत बन गया है। अदालत ने अग्रिहोत्री को भविष्य में सावधान रहने की भी चेतावनी दी।

एजेंसी। धर्मशाला एक कथित विवादित बीड़ियों के वायरल होने के बाद विश्व स्तर पर प्रशंसित तिब्बती आधिकारिक नेता दलाई लामा ने सोमवार को लड़के और बैठकों के विवाद के साथ-साथ दुनिया भर में लोगों से माफी मांगी। दलाई लामा के हवाले से एक अधिकारिक बायां में कहा गया है, दलाई लामा मासूम और चंचल तरीके से अक्सर उन लोगों को चिढ़ाते हैं, जिससे वे मिलते हैं। वह तक कि सार्वजनिक रूप से और कैमरों के सामने अपनी चिढ़ाते हैं। उन्हें घटना पर खेद है। इसमें एक दरअसल, बीड़ियों किलप इंटरेन्ट पर वायरल हो रही है। जिसमें एक बच्चे ने दलाई लामा से पूछा क्या वह उन्हें गले लगा सकता है। इसके



बाद दलाई लामा उस लड़के को दर्शकों और उसके माता-पिता के सामने अपनी चिढ़ाते हैं। उन्हें घटना पर खेद है। इसमें एक दलाई लामा की चिढ़ाती राजा की लाली खींच थी, जिसलिए लोग वह दिलेने के लिए अपनी जीभ बाहर निकालते हैं कि वे उसके जैसे नहीं हैं। इस विवाद का हुए उद्धृत किया गया था, मेरी

पक्षों को स्वीकृत कोई एलएसी नहीं है, तो उसने किया क्यों क्यों को सुनियम है और वर्तमान में वायरल विवादी की स्थिति क्या है? दिलचस्प बात यह है कि बहुत बाद में थल सेना मुख्यालय ने अरटीआई अधिनियम के सेवकाना सम्मान या सम्भूतै का प्रतीक है और पारंपरिक तिब्बती संस्कृति में अक्सर इसका इतिहास अभिवादन के रूप में किया जाता है। तिब्बती लोककथाओं के अनुसार, नारायणी के साथ अपनी जीभ की पहचान यासीन असामत उर्फ मसूद हसन के रूप में हुई है। कछार के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय उत्तराधीन तस्वीर देखते हैं कि वे फोटो के शेयर करते हुए एक्सेस ने लिखा: हमेसा मुझे रास्ता दिखाने वाला। अधिया और कैलेन ग्राहुल की इस साल की शुभ्राता में शादी हुई थी। अधिया ने 2015 में 'हीरो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह अखिया बाजार निवासी के साथ 'पोतीचूर चकनाचूर' में नजर आई थीं।

मुझे मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से बुलाने के बजाय असर अनुपमा कहकर बुलाते हैं, जिससे मुझे गर्व महसूस होता है। 1885 में अपने पिता अनिल रायगंगी की शुरुआत करने वाली रूपाली ने 2004 के सिरकांप 'साराई बनाम साराई' में मोनिश की भूमिका निभाकर टेलीविजन इंडिया में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में, उन्होंने 'बा बहू और बेबी', 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी', 'संजीवीन' और कई और शो में अभिन्न किया। अब, अनुपमा के किरदार ने उन्हें टीवी का एक लोकप्रिय चैनल बनाया है और उन्होंने कहा: मुझ पर विश्वास करने के लिए जिस जगह पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से बुलाने के बजाय असर अनुपमा कहकर बुलाते हैं, जिससे मुझे गर्व महसूस होता है। 1885 में अपने पिता अनिल रायगंगी की शुरुआत करने वाली रूपाली ने 2004 के सिरकांप 'साराई बनाम साराई' में मोनिश की भूमिका निभाकर टेलीविजन इंडिया में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में, उन्होंने 'बा बहू और बेबी', 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी', 'संजीवीन' और कई और शो में अभिन्न किया। अब, अनुपमा के किरदार ने उन्हें टीवी का एक लोकप्रिय चैनल बनाया है और उन्होंने कहा: मुझ पर विश्वास करने के लिए जिस जगह पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से बुलाने के बजाय असर अनुपमा कहकर बुलाते हैं, जिससे मुझे गर्व महसूस होता है। 1885 में अपने पिता अनिल रायगंगी की शुरुआत करने वाली रूपाली ने 2004 के सिरकांप 'साराई बनाम साराई' में मोनिश की भूमिका निभाकर टेलीविजन इंडिया में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में, उन्होंने 'बा बहू और बेबी', 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी', 'संजीवीन' और कई और शो में अभिन्न किया। अब, अनुपमा के किरदार ने उन्हें टीवी का एक लोकप्रिय चैनल बनाया है और उन्होंने कहा: मुझ पर विश्वास करने के लिए जिस जगह पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से बुलाने के बजाय असर अनुपमा कहकर बुलाते हैं, जिससे मुझे गर्व महसूस होता है। 1885 में अपने पिता अनिल रायगंगी की शुरुआत करने वाली रूपाली ने 2004 के सिरकांप 'साराई बनाम साराई' में मोनिश की भूमिका निभाकर टेलीविजन इंडिया में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में, उन्होंने 'बा बहू और बेबी', 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी', 'संजीवीन' और कई और शो में अभिन्न किया। अब, अनुपमा के किरदार ने उन्हें टीवी का एक लोकप्रिय चैनल बनाया है और उन्होंने कहा: मुझ पर विश्वास करने के लिए जिस जगह पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से बुलाने के बजाय असर अनुपमा कहकर बुलाते हैं, जिससे मुझे गर्व महसूस होता है। 1885 में अपने पिता अनिल रायगंगी की शुरुआत करने वाली रूपाली ने 2004 के सिरकांप 'साराई बनाम साराई' में मोनिश की भूमिका निभाकर टेलीविजन इंडिया में अपनी पहचान बनाई थी। बाद में, उन्होंने 'बा बहू और बेबी', 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी', 'संजीवीन' और कई और शो में अभिन्न किया। अब, अनुपमा के किरदार ने उन्हें टीवी का एक लोकप्रिय चैनल बनाया है और उन्होंने कहा: मुझ पर विश्वास करने के लिए जिस जगह पर हूं, वहां पहुंचने में मुझे 22 साल लग गए। एक दूसरे से अलग-अलग जानूर वाले कई शो का दिस्सा होने के साथ मेरा सफर उत्तर-चढ़ाव भरा रहा है। लाग मुझे मेरे असली नाम से